षष्ठम विधान सभा के पंचम सत्र के समापन अवसर पर माननीय विधान सभा अध्यक्ष महोदय का उद्‌बोधन

शुक्रवार, 21 मार्च, 2025

छत्तीसगढ़ की षष्ठम विधान सभा के पंचम सत्र का आज अंतिम कार्य दिवस है, यह सत्र 24 फरवरी से 21 मार्च, 2025 के मध्य आहूत रहा, जिसमें 17 बैठकें सम्पन्न हुईं। सर्वप्रथम सफलतापूर्वक सत्र संपन्न होने के अवसर पर मैं अपनी ओर से माननीय मुख्यमंत्री जी, माननीय नेता प्रतिपक्ष जी, माननीय संसदीय कार्यमंत्री जी, पक्ष प्रतिपक्ष के सभी माननीय सदस्यगणों को धन्यवाद देता हूं कि आपने सदन के सुव्यवस्थित संचालन में मुझे अपना अधिकतम सहयोग प्रदान किया।

यह सत्र यादगार और महत्वपूर्ण इसलिए भी है कि संभवतया यह इस भवन में अंतिम बजट सत्र हो सकता है, क्योंकि आप अवगत हैं कि छत्तीसगढ़ विधान सभा शीघ्र ही अपने नए भवन में स्थानांतरित होगी। इस भवन और इस सदन के साथ हमारी अनेक सुखद स्मृतियां जुड़ी हुई हैं, जो जीवन पर्यंत हमें इस भवन का स्मरण दिलाती रहेंगी।

छत्तीसगढ़ विधान सभा की स्थापना का यह रजत जयंती वर्ष है, मुझे इस बात की हार्दिक प्रसन्नता है कि छत्तीसगढ़ विधान सभा की वर्तमान षष्ठम विधान सभा अपने अतीत में स्थापित संसदीय मूल्यों को निरंतर मजबूती देने का प्रयास कर रही है और इस कार्य में आप सभी की सहभागिता प्रशंसनीय है। हमारे लिए यह उपलब्धि है कि इस बजट सत्र में राज्य के विकास से जुड़े प्रत्येक महत्वपूर्ण विषयों पर आप सभी ने व्यापक, विस्तृत और परिणाम मूलक चर्चा की है। इसका प्रभाव भविष्य में अवश्य रूप से छत्तीसगढ़ के विकास में परिलक्षित होगा। आपने इस सत्र में राज्य के विकास से जुड़े प्रत्येक ज्वलंत विषयों पर विचार किया और निष्कर्ष तक पहुंचे। आपके इस प्रयास की मैं प्रशंसा करता हूँ।

मुझे इस बात की हार्दिक प्रसन्नता है कि इस सत्र में उपलब्ध समय का सदन ने अधिकतम उपयोग किया । आप माननीय सदस्यगणों की यही भावना और प्रयास संसदीय व्यवस्था को मजबूती देने में प्रशंसनीय है । मैं आपके इस योगदान की मुक्त कंठ से सराहना करता हूँ। जैसा कि आपको विदित है कि दिनांक 24 मार्च 2025 को भारत की राष्ट्रपति माननीया श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी का छत्तीसगढ़ विधान सभा आगमन हो रहा है, यहॉ वे छत्तीसगढ़ विधान सभा सदन को अपने प्रेरक उद्‌बोधन से अनुग्रहित करेंगी। माननीया राष्ट्रपति जी का सानिध्य और उनके प्रेरक संबोधन से हम लाभान्वित होंगे।

वर्तमान बजट सत्र में आप माननीय सदस्यगणों की सदन में उपस्थिति और अपने विचारों की अभिव्यक्ति आपने जिस ढंग से प्रदर्शित की है, वह आपके कार्य और विचार में उत्तरोत्तर परिपक्वता को परिभाषित करता है । सदन के प्रत्येक सदस्य का आचार, कार्य, विचार और व्यवहार से हमारी संसदीय सम्पदा अनवरत् समृद्ध हो रही है। इस अवसर पर मैं यह भी आग्रह करता हूँ कि आप अपने संसदीय दायित्वों की पूर्ति हेतु सतत् प्रयत्नशील बने रहें। हमें यह हमेशा स्मरण रखना चाहिए कि हमारे कार्यों से संसदीय व्यवस्था समृद्ध हो रही है या उसका क्षरण हो रहा है। क्योंकि सभा के सदस्यगणों का संसदीय आचरण ही सम्पूर्ण संसदीय व्यवस्था की धुरी है।

इस बजट सत्र में लोक कल्याण से संबंधित सभी विषयों का आपकी चर्चा का विषय बनना इस सत्र की सफलता का प्रतीक है। नये सदस्यों में माननीय श्रीमती भावना बोहरा, श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल, श्रीमती चातुरी नंद, श्री राघवेन्द्र सिंह, श्री सुशांत शुक्ला एवं श्री किरण देव जी आदि सदस्यों ने, वहीं वरिष्ठ एवं अनुभवी माननीय सदस्यों सर्वश्री धरमलाल कौशिक जी, राजेश मूणत जी, अजय चन्द्राकर जी, धर्मजीत सिंह जी, उमेश पटेल जी, श्रीमती संगीता सिन्हा जी ने अपने उत्कृष्ट संसदीय ज्ञान एवं कौशल से सदन में विभिन्न विषयों के माध्यम से अपनी प्रभावी भूमिका को स्थापित किया। आप सभी माननीय सदस्यों से यह आग्रह है कि आप अपने क्षेत्र और छत्तीसगढ़ के विकास के लिए निरन्तर इसी तरह प्रतिबद्ध हों।

मैं ऐसा मानता हूँ कि चन्द्राकर जी हमारे सदन के जसप्रीत बुमराह हैं, जिस प्रकार भारतीय क्रिकेट टीम के सबसे तेज गेंदबाज बुमराह है, उनको इन–स्विंग एवं यार्कर डिलीवरी में महारत हासिल है । वैसे ही हमारे अजय चन्द्राकर जी हैं चाहे जो विषय हो, सबमें अपने संसदीय ज्ञान एवं अनुभव से सारगर्भित विचार रखते हुए सभा के एक जागरूक सदस्य होने की सार्थकता को सिद्ध करते हैं, उनके समावेशित विचार किसी विषय के सकारात्मक पक्ष एवं कमियों पर ध्यानाकर्षित कराते हुए उसके सुधार हेतु सुझावात्मक ही होते हैं, मैं समझता हूं जो नव निर्वाचित सदस्यों के लिए अनुकरणीय है ।

मैं सभापति तालिका के सम्मानीय सदस्यगणों को धन्यवाद देता हूँ कि आपने सदन के सुव्यवस्थित संचालन में मुझे सहयोग प्रदान किया। विशेषकर माननीय श्री प्रबोध मिंज जी एवं माननीय श्री धर्मजीत सिंह जी का जिन्होंने लम्बे समय तक आसंदी का संचालन किया । प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यगणों ने अपने सकारात्मक सुझावों के संबंध में सरकार को सचेत करते हुए एक आदर्श प्रतिपक्ष के रूप में अपनी भूमिका निभाई, वहीं सत्ता पक्ष के माननीय सदस्यगणों ने अनुशासन के साथ सदन में अपने कार्य और आचरण को प्रदर्शित किया । पक्ष–प्रतिपक्ष के सभी माननीय सदस्यगण इसके लिए बधाई के पात्र हैं।

इस सत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, वन, महिला सशक्तिकरण, खेल एवं युवा कल्याण सहित विविध विषयों पर चर्चा के विभिन्न माध्यमों के अंतर्गत सार्थक सम्यक चर्चा को आपने अत्यंत उत्कृष्टता के साथ प्रदर्शित किया, मेरा यह विश्वास है इस सत्र

में सम्पादित हुई चर्चा से प्राप्त निष्कर्ष खुशहाल छत्तीसगढ़, विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य के प्राप्ति में हमें सहायक सिद्ध होगा।

छत्तीसगढ़ विधान सभा संसदीय व्यवस्था के परिष्करण के लिए प्रत्येक वर्ष उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान करती है, इस वर्ष उत्कृष्ट विधायक के रूप में पक्ष से माननीय श्रीमती भावना बोहरा एवं प्रतिपक्ष से माननीय श्री लखेश्वर बघेल का चयन किया गया, वहीं उत्कृष्ट संसदीय पत्रकार पुरस्कार हेतु दैनिक समाचार पत्र दैनिक भास्कर के पत्रकार श्री राकेश पांडेय एवं उत्कृष्ट इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का पुरस्कार सुदर्शन न्यूज चैनल के संवाददाता श्री योगेश मिश्रा एवं कैमरामैन श्री शिवप्रकार पुरैना का चयन किया गया। सभी पुरस्कार प्राप्त कर्ताओं को मैं अपनी ओर से हार्दिक बधाई देता हूँ और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

इस बजट सत्र में विधायक क्लब के द्वारा होली मिलन का कार्यक्रम उल्लासमय वातावरण में आयोजित हुआ। आप लगभग सभी सदस्यगण ने अपनी उपस्थिति से इस आयोजन को सफल बनाया, माननीय अनुज शर्मा जी, माननीय कुंवर सिंह निषाद जी, माननीया श्रीमती चातुरीनंद जी, माननीय श्री रामकुमार यादव जी माननीय श्री दिलीप लहरिया जी, ने अपनी रंगारंग प्रस्तुतियों से सभी को आल्हादित किया । पद्मश्री डॉ. सुरेन्द्र दुबे जी ने अपनी हास्य कविताओं से हम सब का मनोरंजन किया। वहीं दिनांक 18, 19 व 20 मार्च 2025 को आप सबके स्वास्थ्य परीक्षण के लिए राज्य शासन के स्वास्थ्य विभाग के द्वारा तीन दिवसीय स्वास्थ्य शिविर लगाया गया । इस स्वास्थ्य शिविर का लाभ 37 माननीय सदस्यों द्वारा एवं 601 अन्य द्वारा लिया गया। इस लाभकारी आयोजन के लिए मैं स्वास्थ्य मंत्री जी को अपनी ओर से धन्यवाद देता हूँ। आगामी 22–23 मार्च को आप माननीय सदस्यगणों के लिए आईआईएम द्वारा दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम रखा गया है। आप माननीय सदस्यगणों से यह मेरा विशेष अनुरोध है कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अवश्य रूप से सम्मिलित होना सुनिश्चित करेंगे।

इस बजट सत्र में 5 माननीय सदस्यों ने 128 पृष्ठों की छायाप्रति पुस्तकालय साहित्य से संदर्भ हेतु प्राप्त की । प्रदेश की सबसे बड़ी पंचायत विधान सभा के कार्यकरण से राज्य की आम जनता को अवगत कराने के उद्देश्य से सदन की कार्यवाही के अवलोकन हेतु आम नागरिकों को अवसर दिया जाता है। इस तारतम्य में विभिन्न शासकीय/अशासकीय संस्थाओं, जनप्रतिनिधि संस्थाओं, आम जन एवं छात्र–छात्राओं सहित लगभग 11,639 ने इस सत्र में सदन की कार्यवाही का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

अब मैं आपको इस बजट सत्र में संपादित कार्यों के सांख्यिकी आंकड़े प्रस्तुत कर रहा हूँ। इस सत्र में माननीय राज्यपाल जी के अभिभाषण एवं उनके अभिभाषण पर प्रस्तुत कृतज्ञता ज्ञापन प्रस्ताव पर चर्चा सहित इस सत्र की कुल 17 बैठकों में लगभग 111 घंटे चर्चा हुई है। इस सत्र में तारांकित प्रश्नों की 1286 एवं अतारांकित प्रश्नों की 1218, इस प्रकार कुल 2504 प्रश्नों की सूचनाएँ प्राप्त हुई जिनमें

से **133,** प्रश्नों पर सभा में अनुपूरक प्रश्न पूछे गये। इन 2504 प्राप्त प्रश्नों की सूचनाओं में से लगभग 98 प्रतिशत प्रश्नों की सूचनायें ऑनलाइन के माध्यम से प्राप्त हुईं ।

मुझे यह बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि इस सत्र की प्रश्नकाल हेतु नियत सभी 16 बैठकों हेतु शत–प्रतिशत 64 प्रश्नों की सूचना देने वाले प्रश्नकर्ता सदस्यों की संख्या 15 रही एवं 50 या 50 से अधिक प्रश्नों की सूचना प्रस्तुत करने वाले सदस्यों की संख्या भी 15 है, जो अत्यंत प्रशंसनीय एवं माननीय सदस्यों की जागरूकता का द्योतक है । इस सत्र में ध्यानाकर्षण की कुल 562 सूचनाएं प्राप्त हुई. जिनमें से 193 सूचनाएं ग्राह्य हुई और 52 सूचनाएं शून्यकाल सूचना में परिवर्तित की गई। स्थगन की कुल 99 सूचनाएं प्राप्त हुईं। इस सत्र में माननीय सदस्यगणों द्वारा 582 याचिकायें प्रस्तुत की गई, जिनमें से 202 याचिकायें ग्राह्य, 202 याचिका अग्राह्य एवं 178 याचिकायें विचाराधीन हैं । इस सत्र में विनियोग विधेयक सहित 14 विधेयकों की सूचना प्राप्त हुई और सभी चर्चा उपरान्त पारित हुए। इसके साथ ही अशासकीय संकल्पों की 35 सूचनायें प्राप्त हुईं जिनमें से कुल ग्राहय 16 सूचनाओं में से 6 पर सभा में चर्चा हुई।

मैं इस सत्र समापन के अवसर पर सम्माननीय पत्रकार साथियों तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने सदन की कार्यवाही को बड़ी गंभीरता से प्रचार माध्यमों में प्रमुखता से स्थान देकर प्रदेश की जनता को सम्पादित कार्यवाही से अवगत कराया।

इस सत्र के समापन अवसर पर राज्य शासन के मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन जी को बधाई देता हूँ, संभवतः मुख्य सचिव जी का यह अंतिम बजट सत्र होगा, आपके सुदीर्घ प्रशासनिक अनुभव का लाभ न केवल शासन को बल्कि विधान सभा को भी आपका हमेशा सहयोग मिलता रहा है। शासन के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी बधाई देता हूँ। सुरक्षा व्यवस्था में संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी बधाई देता हूँ, जिन्होंने सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था इस सत्र के दौरान कायम रखी।

मैं विधान सभा के सचिव श्री दिनेश शर्मा सहित सचिवालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भी प्रशंसा करता हूं, जिन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण कुशलता एवं निष्ठा के साथ किया। परम्परा अनुसार सत्र समापन अवसर पर आगामी सत्र की सम्भावित तिथि घोषित की जाती है, तदनुसार आगामी सत्र, जो पावस सत्र भी होगा, उसकी तिथि जुलाई, 2025 में होना सम्भावित है।

आगामी 30 मार्च, 2025 को प्रारंभ होने वाली चैत्र नवरात्रि एवं हिन्दु नव वर्ष की आप सभी को शुभकामनाएं । आईये, हम सब मिलकर अपने छत्तीसगढ़ राज्य को देश के विकसित राज्यों के रूप में से एक राज्य बनाने हेतु कृतसंकल्पित हों, इन्हीं भावनाओं के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूँ।

जय हिन्द, जय भारत, जय छत्तीसगढ़,